

यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य - संख्या सत्रह

सूखी हड्डियों की जागृति: प्रतीक्षा के समय में पवित्रता और विश्वास का आह्वान

Jeff Pippenger

2023-11-17

सड़क पर मरी हुई पड़ी सूखी हड्डियाँ, जो जंगल में पुकारने वाले की "आवाज़" सुनती हैं, वे ऐसा इसलिए कर पाती हैं क्योंकि यीशु के उसे भेजने के वचन की पूर्ति में सांत्वनाकर्ता आ चुका है। मिलराइटों की पहली निराशा के दौरान, मिलराइटों ने समझा कि वे कुँवारियों के दृष्टान्त के विलम्ब के समय में हैं।

"निराश जनों ने बाइबल से समझा कि वे विलम्ब के समय में थे, और यह कि उन्हें दर्शन की पूर्ति के लिए धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करनी चाहिए। वही प्रमाण जिसने उन्हें 1843 में अपने प्रभु की प्रतीक्षा करने के लिए प्रेरित किया, उसी ने उन्हें 1844 में उसकी अपेक्षा करने के लिए प्रेरित किया।" *Spiritual Gifts*, खंड 1, 153.

जिन्हें मिलेराइट्स द्वारा प्रतीकित किया गया है, वे प्रथम निराशा के अनुभव को दोहराते हैं, और जब वे ऐसा करते हैं, तो उन्हें यह समझना चाहिए कि वे भी कन्याओं के दृष्टान्त के प्रतीक्षा काल में हैं। केवल सांत्वनादाता का प्रभाव ही उन्हें यह सत्य देखने देता है। सांत्वनादाता से उत्पन्न वह पहचान उस पहली भविष्यवाणी द्वारा प्रतिनिधित्व करती है, जिसे यहजेकेल को सूखी, मृत हड्डियों की घाटी से घोषित करने के लिए कहा गया था।

फिर उसने मुझसे कहा, इन हड्डियों पर भविष्यवाणी कर, और उनसे कह, हे सूखी हड्डियो, यहोवा का वचन सुनो। प्रभु यहोवा इन हड्डियों से यूँ कहता है: देखो, मैं तुम में श्वास डालूँगा, और तुम जीवित हो जाओगे; मैं तुम्हारे ऊपर स्नायु चढ़ा दूँगा, तुम पर मांस चढ़ा दूँगा, तुम्हें चमड़े से ढाँक दूँगा, और तुम में श्वास डालूँगा, और तुम जीवित हो जाओगे; और तुम जानोगे कि मैं यहोवा हूँ। तब मैंने जैसा मुझे आज्ञा दी गई थी वैसा ही भविष्यवाणी की; और जैसे ही मैं भविष्यवाणी कर रहा था, एक आवाज़ हुई, और देखो, एक कंपन हुआ, और हड्डियाँ आपस में मिलीं, हर एक हड्डी अपनी-अपनी हड्डी से। और जब मैंने देखा, तो क्या देखा, उन पर स्नायु और मांस चढ़ आया, और ऊपर से चमड़े ने उन्हें ढाँक लिया; परन्तु उनमें श्वास नहीं थी। यहजेकेल 37:4-8.

"ध्वनि" पवित्र आत्मा का प्रतिनिधित्व करती है। उस समय कुँवारियों को यह पहचानना चाहिए कि वे प्रतीक्षा के समय में हैं। जब वे पहचान लें कि वे प्रतीक्षा के समय में हैं, तब निराश लोगों को क्या करना चाहिए, इस विषय में बाइबल की शिक्षाएँ प्रचुर हैं। यिर्मयाह सिखाता है कि वे "उपहास करने वालों की सभा" में कभी लौटें नहीं; और फिलाडेल्फिया को दिए गए संदेश में यही "शैतान की सभा" कहलाती है। उन्हें अनमोल को निकृष्ट से अलग भी करना चाहिए। अनमोल और निकृष्ट का जो विरोध है, उसका दोहरा अर्थ है।

मैंने अपने लिए यह भविष्यवाणी-संबंधी भेद वर्षों पहले सीखा, जब मैंने विलियम मिलर के स्वप्न का एक अनुप्रयोग किया। मैंने रत्नों को परमेश्वर के वचन की सच्चाइयों के रूप में, और नकली रत्नों को भ्रष्ट सिद्धांतों के रूप में सही ढंग से परिभाषित किया। उसके बाद मेरा ध्यान इस ओर दिलाया गया कि जेम्स वाइट ने भी विलियम मिलर के स्वप्न का एक अनुप्रयोग किया था, और अपने अनुप्रयोग में उन्होंने रत्नों को परमेश्वर के विश्वासयोग्य लोगों के रूप में, और जाली रत्नों को सत्य के झूठे अंगीकार करने वालों के रूप में पहचाना। जब मैंने यह जाँच की कि जेम्स वाइट ने उस स्वप्न के बारे में क्या सिखाया था, तो मुझे एहसास हुआ कि हम दोनों सही थे। रत्न परमेश्वर के विश्वासयोग्यों का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं, और नकली रत्न उन लोगों का जो विश्वासयोग्य नहीं हैं; पर रत्न परमेश्वर के वचन की सच्चाइयों का भी प्रतिनिधित्व कर सकते हैं, और नकली रत्न झूठे सिद्धांतों का। जेम्स वाइट ने मिलर के स्वप्न को उस इतिहास पर लागू किया जिसमें वे तब जी रहे थे, पर मैंने उस स्वप्न को अंतिम दिनों के इतिहास के रूप में देखा। दोनों अनुप्रयोग मिलकर यह बताते हैं कि मनुष्य वही बन जाते हैं जो वे मानते हैं, और यदि वे भ्रांत सिद्धांतों से चिपके रहने का चुनाव करें, तो वे उन सिद्धांतों सहित, जिनसे वे जुड़ गए हैं, धूल झाड़ने वाले व्यक्ति द्वारा खिड़की से बाहर बुहार

दिए जाएँगे। हम वही हैं जो हम खाते हैं।

जब निराश लोग पाते हैं कि वे प्रतीक्षा के समय में हैं, तो यिर्मयाह के अनुसार उन्हें मूल्यवान को निकृष्ट से अलग करना चाहिए।

जो लोग परमेश्वर के शासन के विरुद्ध युद्धरत हैं, उन्हें वह बुद्धि कैसे प्राप्त होती है जिसे वे कभी-कभी प्रदर्शित करते हैं? स्वयं शैतान स्वर्गीय दरबारों में शिक्षित हुआ था, और उसे भले के साथ-साथ बुराई का भी ज्ञान है। वह बहुमूल्य को निकृष्ट के साथ मिला देता है, और यही उसे छलने की शक्ति देता है। पर क्या इसलिए कि शैतान ने स्वयं को स्वर्गीय तेज के वस्त्रों से आच्छादित कर लिया है, हम उसे प्रकाश का स्वर्गदूत मान लें? प्रलोभक के अपने प्रतिनिधि हैं, जो उसकी विधियों के अनुसार शिक्षित हैं, उसकी आत्मा से प्रेरित हैं, और उसके कार्य के अनुरूप ढाले गए हैं। क्या हम उनके साथ सहकार्य करें? क्या हम उसके प्रतिनिधियों के कार्यों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए आवश्यक मानकर स्वीकार करें? Ministry of Healing, 440.

बहुमूल्य और निकृष्ट सत्य और त्रुटि का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह मनुष्यों के दो वर्गों का भी प्रतिनिधित्व करता है।

'तथापि परमेश्वर की नींव दृढ़ बनी हुई है, और उस पर यह मुहर है, कि प्रभु अपने जनों को जानता है। और, जो कोई मसीह का नाम लेता है, वह अधर्म से दूर रहे। परन्तु एक बड़े घर में केवल सोने और चाँदी के पात्र ही नहीं, बल्कि लकड़ी और मिट्टी के भी होते हैं; और कुछ आदर के, और कुछ अनादर के।' 'बड़ा घर' कलीसिया का प्रतिनिधित्व करता है। कलीसिया में घृणित भी मिलेंगे और बहुमूल्य भी। समुद्र में डाला गया जाल अच्छे और बुरे दोनों को इकट्ठा करता है। Review and Herald, 5 फ़रवरी, 1901.

यिर्मयाह को यह निर्देश दिया गया कि यदि वह लौटे, तो उसे मूर्ख कुँवारियों से अलग होना होगा, और उसे मूर्ख कुँवारियों की गलत शिक्षाओं से भी अलग होना होगा। एक लाख चवालीस हज़ार वे हैं जो पूर्ण एकता में आते हैं। यिर्मयाह उस कार्य का प्रतिनिधित्व करता है जिसे वे लोग पूरा करना होगा जिन्हें चार पवनों के संबंध में यहजेकेल के दूसरे संदेश द्वारा मुहरबंद किए जाने के लिए बुलाया गया है, ताकि जब दर्शन बोले, तो वे परमेश्वर का "मुख" बन सकें। मिलेराइट इतिहास में जब न्याय आया, तब वह दर्शन बोला; और एक लाख चवालीस हज़ार के इतिहास में वह तब बोलता है जब पृथ्वी का पशु बोलता है, और तीसरे हाथ का न्याय आता है। तब यिर्मयाह द्वारा चिन्हित उस कार्य को पूरा करने वाले लोग परमेश्वर के पहरेदारों के रूप में ऊँचा उठाए जाते हैं।

जब प्रभु निराश लोगों को उनकी मृत्यु से जगाने के लिए सांत्वनकर्ता को भेजता है, तब वह एक शुद्धिकरण का कार्य बताता है जिसे उन्हें पूरा करना होगा, यदि उन्हें रविवार के कानून के संकट में उसके प्रवक्ता बनना है। यशायाह, यिर्मयाह की सलाह से सहमत है।

क्या ही सुन्दर हैं पर्वतों पर उसके पाँव, जो शुभ समाचार लाता है, जो शान्ति का प्रचार करता है; जो कल्याण का शुभ समाचार लाता है, जो उद्धार का प्रचार करता है; जो सिध्दोन से कहता है, 'तेरा परमेश्वर राज्य करता है!' तेरे पहरेदार अपनी आवाज़ उठाएँगे; वे एक साथ स्वर मिलाकर गाएँगे, क्योंकि वे आमने-सामने देखेंगे, जब यहोवा सिध्दोन को फिर से बहाल करेगा। आनन्द से फूट पड़ो, साथ-साथ गाओ, हे यरूशलेम के उजाड़ स्थानों; क्योंकि यहोवा ने अपनी प्रजा को सांत्वना दी है; उसने यरूशलेम को छुड़ाया है। यशायाह 52:7-9.

जो "शुभ समाचार लाते हैं" और जो "शांति और उद्धार का प्रचार करते हैं" वे "अपनी आवाज़ें एक साथ" उठाते हैं, क्योंकि वे "आंख से आंख मिलाकर देखेंगे"।

कुछ और लोग भी मुझे ऐसे दिखाए गए जो अपना प्रभाव उन लोगों के साथ मिला देते हैं जिनका मैंने उल्लेख किया है, और मिलकर वे जितना कर सकते हैं उतना करते हैं ताकि मण्डली से लोगों को अलग खींच लें और भ्रम उत्पन्न करें; और उनका प्रभाव परमेश्वर की सच्चाई को बदनाम करता है। यीशु और पवित्र स्वर्गदूत परमेश्वर के लोगों को एक विश्वास में आगे बढ़ा रहे हैं और एक कर रहे हैं, ताकि वे सब एक ही मन और एक ही विचार रखें। और जब उन्हें विश्वास की एकता में लाया जा रहा है, ताकि वे इस समय की गंभीर और महत्वपूर्ण सच्चाइयों पर

एक मत हों, तब शैतान उनकी प्रगति का विरोध करने के लिए काम कर रहा है। यीशु अपने साधनों के द्वारा इकट्ठा करने और एक करने का कार्य कर रहे हैं। शैतान अपने साधनों के द्वारा तितर-बितर करने और विभाजित करने का काम करता है। 'क्योंकि देखो, मैं आज्ञा दूँगा, और मैं इस्राएल के घराने को सब जातियों के बीच ऐसे छानूँगा जैसे अनाज को छलनी में छाना जाता है; तौभी सबसे छोटा दाना भी भूमि पर नहीं गिरेगा।'

परमेश्वर अभी अपने लोगों की परीक्षा ले रहे हैं और उन्हें परख रहे हैं। चरित्र का निर्माण हो रहा है। स्वर्गदूत नैतिक मूल्य तौल रहे हैं, और मनुष्यों की संतान के सभी कर्मों का निष्ठापूर्ण अभिलेख रख रहे हैं। परमेश्वर के नामधारी लोगों के बीच भी भ्रष्ट हृदय हैं; परन्तु उनकी परीक्षा ली जाएगी और उन्हें परखा जाएगा। वही परमेश्वर जो हर एक के हृदय को पढ़ता है, अन्धकार में छिपी बातों को वहाँ उजागर करेगा जहाँ उन पर प्रायः सबसे कम संदेह किया जाता है, ताकि वे ठोकर के पत्थर, जिन्होंने सत्य की प्रगति में बाधा डाली है, दूर किए जाएँ, और परमेश्वर को एक शुद्ध और पवित्र प्रजा मिले जो उसकी विधियों और न्यायों की घोषणा करे।

"हमारे उद्धार का सेनापति अपने लोगों को एक-एक कदम करके आगे ले चलता है, उन्हें शुद्ध करता है और रूपांतरण के लिए योग्य बनाता है, और जो लोग समुदाय से अलग होने की प्रवृत्ति रखते हैं, जो आगे बढ़ाए जाने को तैयार नहीं हैं, और अपनी ही धार्मिकता से संतुष्ट हैं, उन्हें पीछे छोड़ देता है। 'इसलिये यदि जो ज्योति तुझ में है वही अंधकार हो, तो वह अंधकार कितना घना होगा!' मनुष्य के मन को धोखा देने वाला इससे बड़ा कोई भ्रम नहीं है, जो मनुष्यों को अपने ऊपर भरोसा करने वाली भावना में लिप्त होने के लिए प्रेरित करता है, ताकि वे मानें कि वे सही हैं और ज्योति में हैं, जबकि वे परमेश्वर के लोगों से दूर खिंचते जा रहे हैं, और उनकी प्रिय मानी हुई ज्योति अंधकार है।" Testimonies, खंड 1, 332, 333.

यशायाह की पुस्तक के एक अंश में "शुभ समाचार सुनाता है" यह वाक्यांश "मध्यरात्रि की पुकार" के इतिहास की पहचान कराने के लिए दो बार दोहराया गया है; उसी प्रकार, वे पद भी जो यशायाह के उस विवरण तक ले जाते हैं जिसमें बहुमूल्य को नीच से अलग करने पर स्थापित होने वाली एकता का चित्रण है, उसी इतिहास की पहचान कराते हैं.

जाग, जाग; अपनी शक्ति धारण कर, हे सिय्योन; अपने सुंदर वस्त्र पहन, हे यरूशलेम, पवित्र नगर; क्योंकि अब से तुझ में न तो खतनारहित आएँगे और न अपवित्र। अपने ऊपर की धूल झाड़; उठ, और बैठ, हे यरूशलेम; अपने गले के बंधनों को खोल, हे सिय्योन की बंदी बेटी। यशायाह 52:1, 2.

यिर्मयाह उन लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जो पहली निराशा में हैं और पहचानते हैं कि वे प्रतीक्षा के समय में हैं। यशायाह उन्हीं लोगों को "जागो, जागो" का आदेश देता है। वे जागते हैं और अंततः ऐसी स्थिति पर पहुँचते हैं जहाँ परमेश्वर की कलीसिया में अब न तो कोई खतना न किया हुआ रहेगा, न कोई अशुद्ध; क्योंकि वे बहुमूल्य और निकृष्ट को अलग करने का कार्य पूरा कर चुके होंगे। "प्रभु चाहता है कि उसकी कलीसिया शुद्ध की जाए, इससे पहले कि उसके न्याय और अधिक प्रकट रीति से संसार पर आ पड़ें."

हम तेजी से पृथ्वी के इतिहास के अंत के निकट आ रहे हैं। अंत बहुत निकट है, बहुतों के अनुमान से भी कहीं अधिक निकट, और मुझे यह दायित्व महसूस होता है कि मैं अपने लोगों से प्रभु को पूरे मन से खोजने की आवश्यकता पर ज़ोर दूँ। बहुत-से लोग सो रहे हैं, और उन्हें उनकी देह की नींद से जगाने के लिए क्या कहा जा सकता है? प्रभु चाहता है कि उसकी कलीसिया शुद्ध हो जाए, इससे पहले कि उसके न्याय और अधिक प्रकट रूप से संसार पर आ पड़ें।

'उसके आने के दिन कौन ठहर सकेगा? और जब वह प्रकट होगा, तब कौन खड़ा रह सकेगा? क्योंकि वह गलाने वाले की आग के समान और धोबी के साबुन के समान है; और वह चाँदी को गलाने और शुद्ध करने वाले के समान बैठ जाएगा; वह लेवी के पुत्रों को शुद्ध करेगा, और उन्हें सोने और चाँदी की भाँति शुद्ध करेगा, ताकि वे प्रभु को धर्मपूर्वक भेंट चढ़ाएँ।'

मसीह हर दिखावटी चोला उतार देंगे। सत्य और मिथ्या का कोई मिश्रण भी उन्हें धोखा नहीं दे सकता। 'वह तपानेवाले की आग के समान है,' जो बहुमूल्य को निकृष्ट से, और सोने से अपशिष्ट को अलग करता है।

लेवियों के समान, परमेश्वर के चुने हुए लोग उसके विशेष कार्य के लिए उसके द्वारा अलग किए गए हैं। हर सच्चा ईसाई याजकीय पद का अधिकारी है। उसे अपने स्वर्गीय पिता के चरित्र का संसार के सामने प्रतिनिधित्व करने की पवित्र जिम्मेदारी का गौरव प्राप्त है। उसे इन वचनों पर भली-भांति ध्यान देना चाहिए, 'इसलिये तुम सिद्ध बनो, जैसे तुम्हारे पिता जो स्वर्ग में हैं, सिद्ध हैं।'

"परन्तु तुम जो मेरे नाम का भय मानते हो, तुम्हारे लिए धर्म का सूर्य अपने पंखों में आरोग्य लेकर उदय होगा; और तुम निकलोगे, और बाड़े के बछड़ों के समान बढ़ोगे। और तुम दुष्टों को रौंदोगे; क्योंकि जिस दिन मैं यह करूँगा, उस दिन वे तुम्हारे पैरों के तलवों के नीचे राख बन जाएंगे, ऐसा सेनाओं का प्रभु कहता है."

'मेरे दास मूसा की व्यवस्था को स्मरण करो, जो मैंने होरेब में सारे इस्राएल के लिए उसकी विधियों और नियमों सहित उसे आज्ञा दी थी। देखो, प्रभु के महान और भयानक दिन के आने से पहले मैं तुम्हारे पास भविष्यद्वक्ता एलिव्याह को भेजूंगा: और वह पितरों का मन पुत्रों की ओर, और पुत्रों का मन पितरों की ओर फेर देगा, कहीं ऐसा न हो कि मैं आकर पृथ्वी को श्राप देकर मारूँ।' Review and Herald, 8 नवंबर, 1906.

जो झूठी शिक्षाओं को थामे रहते हैं, वे उस इतिहास में अलग कर दिए जाएंगे जो जंगल में पुकारने वाली "आवाज़" से आरंभ होता है। जो परमेश्वर की रचनात्मक शक्ति को व्यक्तिगत पवित्रीकृत अनुभव उत्पन्न करने देने से इंकार करते हैं, वे उस इतिहास में "सोने" से अलग कर दिए जाएंगे जो जंगल में पुकारने वाली "आवाज़" से आरंभ होता है। वे लाओदिकियावासी ही बने रहेंगे, ठीक उस बिंदु पर जहाँ लाओदिकिया फिलाडेल्फिया में परिणत होती है।

बहुमूल्य को निकृष्ट से अलग करने का कार्य लगभग पूरी तरह वाचा के उस दूत का है, जो लेवी के पुत्रों को शुद्ध करने के लिए अचानक आता है, लेकिन हमें भी इसमें भाग लेना चाहिए।

इसलिये, हे मेरे प्रियो, जैसे तुम सदा आज्ञा मानते रहे हो—न केवल मेरी उपस्थिति में, पर अब मेरी अनुपस्थिति में तो और भी—डरते और काँपते हुए अपने उद्धार का काम पूरा करते रहो। क्योंकि परमेश्वर ही है जो अपनी भली इच्छा के अनुसार तुम्हारे भीतर इच्छा भी उत्पन्न करता है और काम भी करवाता है। बिना कुड़कुड़ाए और वाद-विवाद किए सब काम करो, ताकि तुम निर्दोष और निष्कपट रहो—भर्त्सना से रहित परमेश्वर की सन्तान—एक टेढ़ी और विकृत जाति के बीच; जिनके बीच तुम जगत में ज्योतियों के समान चमकते हो। फिलिप्पियों 2:12-15.

यिर्मयाह से कहा गया कि यदि वह आगामी न्याय में परमेश्वर का प्रवक्ता बनना चाहता है, तो वह बहुमूल्य को निकृष्ट से अलग करे। यह तथ्य कि यिर्मयाह परमेश्वर का उसे दिया गया परामर्श सुन रहा था, दर्शाता था कि यदि वह यह कार्य उठाने का चुनाव करता, तो सांत्वनाकर्ता पहले से ही उपस्थित था।

उद्धार प्राप्त करने का कार्य एक साझेदारी है, एक संयुक्त प्रयास। परमेश्वर और पश्चातापी पापी के बीच सहयोग होना चाहिए। चरित्र में सही सिद्धांतों के निर्माण के लिए यह आवश्यक है। मनुष्य को उस सब पर विजय पाने के लिए गंभीर प्रयास करने हैं जो उसे परिपूर्णता प्राप्त करने से रोकता है। परंतु सफलता के लिए वह पूर्णतः परमेश्वर पर निर्भर है। मानवीय प्रयास अपने आप में पर्याप्त नहीं है। दिव्य शक्ति की सहायता के बिना वह निष्फल है। परमेश्वर कार्य करता है और मनुष्य भी। प्रलोभन का प्रतिरोध मनुष्य से ही आना चाहिए, और उसे अपनी शक्ति परमेश्वर से लेनी चाहिए। एक ओर अनंत ज्ञान, करुणा और शक्ति है; दूसरी ओर दुर्बलता, पापमयता, पूर्ण असहायता।

"परमेश्वर चाहता है कि हम स्वयं पर प्रभुत्व रखें। परन्तु हमारी सहमति और सहयोग के बिना वह हमारी सहायता नहीं कर सकता। दैवी आत्मा मनुष्य को दिए गए सामर्थ्य और गुणों के माध्यम से कार्य करती है। अपने बल पर हम अपने उद्देश्यों, इच्छाओं और प्रवृत्तियों को परमेश्वर की इच्छा के साथ सामंजस्य में नहीं ला सकते; पर यदि

हम 'इच्छुक बनाए जाने को तैयार' हों, तो उद्धारकर्ता यह हमारे लिए पूरा करेगा, 'कल्पनाओं को और हर उस ऊँची बात को, जो परमेश्वर के ज्ञान के विरुद्ध अपने आप को उठाती है, ढा देता है, और हर एक विचार को बंदी बनाकर मसीह की आज्ञाकारिता में ले आता है।' 2 कुरिन्थियों 10:5." प्रेरितों के काम, 482.

प्रकाशितवाक्य ग्यारह में वर्णित साढ़े तीन दिनों की अवधि, जब सूखी हड्डियाँ सड़क पर मरी पड़ी हैं, "वन्य प्रदेश" का एक प्रतीक है; और "वन्य प्रदेश" लैव्यव्यवस्था छब्बीस के "सात गुना" का प्रतिनिधित्व करता है। साढ़े तीन दिनों के बिखराव के अंत में, जिन्हें एक लाख चवालीस हज़ार में गिने जाने के लिए बुलाया गया है, उन्हें "जागना" और "धूल झाड़ देना" है। बहन व्हाइट कहती हैं, "प्रभु चाहता है कि उसकी कलीसिया शुद्ध की जाए, इससे पहले कि उसके न्याय संसार पर और अधिक स्पष्ट रूप में आ पड़ें।"

एक 'शुद्ध कलीसिया' के संदर्भ में वह यिर्मयाह की पृथक्करण प्रक्रिया का उल्लेख करती है, जो 'कीमती को निकृष्ट से' अलग करती है। वह इसे मलाकी के तीसरे अध्याय से भी जोड़ती है, जहाँ एक दूत वाचा के दूत के लिए मार्ग तैयार करता है। जो दूत मार्ग तैयार करता है, वह यशायाह की 'मरुभूमि में पुकारने वाली आवाज़' है। वाचा का दूत मसीह है, जो एक लाख चवालीस हज़ार के साथ वाचा में प्रवेश करने की तैयारी कर रहा है, जो 'जैसे' 'लेवियों,' 'उनके द्वारा उसके विशेष कार्य के लिए अलग किए गए' हैं। फिर वह उन्हें याजकों के रूप में पहचानती है, और यीशु का यह कथन उद्धृत करती है: 'इसलिए तुम सिद्ध बनो, जैसा तुम्हारा स्वर्गीय पिता सिद्ध है।'

प्रतीक्षा काल की अवधि का अंत एक शुद्धिकरण प्रक्रिया से चिह्नित है, क्योंकि प्रभु के पास एक लाख चवालीस हजार के लिए पूरा करने को एक विशेष कार्य है, और "उसके न्याय संसार पर और अधिक स्पष्ट रूप से पड़ें" उससे पहले वह अपनी कलीसिया को शुद्ध कर चुका होगा। उसके न्याय पहले से ही संसार में हैं, परन्तु रविवार के क़ानून के समय "परमेश्वर के विनाशक न्याय" गिरने लगते हैं।

वे न्याय उन लोगों के लिए "दया का समय" हैं जिन्होंने कभी सत्य को नहीं जाना। लेकिन जो लोग आवश्यक शुद्धि-प्रक्रिया में प्रवेश करने से इनकार करते हैं, उनके लिए उन न्यायों में कोई दया नहीं है। जो "न्याय" "अधिक स्पष्ट रूप से" प्रकट होते हैं, वे संकेत देने वाले न्याय होते हैं। वे एक संकेत हैं, और पवित्र आत्मा उन न्यायों से उत्पन्न अराजकता और भ्रम का उपयोग करता है ताकि "झूठे विश्राम-दिवस" को मानने वालों और जो "विवेकपूर्वक प्रभु के सब्त का पालन करते हैं" उनके बीच भेद रेखांकित कर दे, क्योंकि यही एकमात्र तरीका है जिससे "दुनिया को चेताया जा सकता है"। जो न्याय संकेत हैं, वे वह पृष्ठभूमि बनते हैं जिसका उपयोग पवित्र आत्मा बाबुल में अभी भी मौजूद परमेश्वर के बच्चों का मार्गदर्शन करने के लिए करता है, ताकि वे एक लाख चवालीस हजार की पताका को पहचान सकें।

परन्तु सिस्टर व्हाइट केवल मलाकी अध्याय तीन का ही उल्लेख नहीं करती हैं, वह मलाकी की पुस्तक के अध्याय चार के अंतिम पदों को भी शामिल करती हैं, और एक बार फिर उस "वाणी" का उल्लेख करती हैं जो वाचा के दूत के लिए मार्ग तैयार करने वाली थी। वे अंतिम पद वाचा के दूत की तैयारी के बारे में नहीं हैं; वे मूसा की व्यवस्था को स्मरण रखने, और पिताओं के हृदयों का पुत्रों की ओर तथा पुत्रों के हृदयों का पिताओं की ओर फिर जाने के विषय में हैं। "वाणी" पहले मसीह—वाचा के दूत—के लिए यह तैयारी करती है कि वे अपने मंदिर में अचानक आएँ और अपने जागृत किए गए निराश लोगों को शुद्ध करें, ताकि वे पताका के कार्य को पूरा कर सकें। फिर मलाकी "वाणी" के कार्य के एक अन्य पहलू को संबोधित करते हैं।

वह "पितरों का हृदय सन्तानों की ओर, और सन्तानों का हृदय उनके पितरों की ओर फेरेगा," और वह यह कार्य होरेब पर दी गई व्यवस्था के संबंध में करेगा। एलिय्याह, जो यशायाह का "स्वर" भी है, परमेश्वर की प्रजा के पापों को चिन्हित करेगा। यह शुद्धिकरण प्रक्रिया का एक भाग है। पाप की केवल एक ही परिभाषा है, अर्थात् होरेब पर दी गई व्यवस्था का उल्लंघन। यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला ही एलिय्याह था, और उसके कार्य में वही तत्व शामिल था।

उन दिनों यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला आया, और यहूदिया के जंगल में प्रचार करता था, और कहता था, “मन फिराओ, क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट है।” क्योंकि यह वही है जिसके विषय में भविष्यद्वक्ता यशायाह ने कहा था, “मरुभूमि में पुकारनेवाले की आवाज़: प्रभु का मार्ग तैयार करो, उसकी सड़कें सीधी करो।” और उसी यूहन्ना का वस्त्र ऊँट के बाल का था, और उसकी कमर में चमड़े की पेटी थी; और उसका भोजन टिड्डियाँ और वनमधु था। तब यरूशलेम, और सारी यहूदिया, और यर्दन के आस-पास का सारा प्रदेश उसके पास निकल आया; और वे अपने पापों को स्वीकार करते हुए यर्दन में उससे बपतिस्मा लेते थे। पर जब उसने बहुत से फरीसियों और सद्दूकीयों को अपने बपतिस्मा के लिए आते देखा, तो उनसे कहा, “हे साँपों की संतान, तुम्हें किसने चेताया कि आनेवाले क्रोध से भागो?”

इसलिए पश्चाताप के योग्य फल लाओ; और अपने मन में यह न कहो कि हमारा पिता अब्राहम है; क्योंकि मैं तुमसे कहता हूँ कि परमेश्वर इन पत्थरों से भी अब्राहम के लिये संतान खड़ी कर सकता है। और अब भी पेड़ों की जड़ पर कुल्हाड़ी रखी हुई है; इसलिए जो पेड़ अच्छा फल नहीं लाता, वह काटा जाता है और आग में डाला जाता है। मैं तो तुम्हें पश्चाताप के लिये पानी से बपतिस्मा देता हूँ; पर जो मेरे बाद आनेवाला है, वह मुझसे अधिक शक्तिशाली है; मैं उसके जूते उठाने के योग्य भी नहीं; वह तुम्हें पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा। उसका सूप उसके हाथ में है, और वह अपना खलिहान अच्छी तरह साफ करेगा और अपना गेहूँ कोठार में इकट्ठा करेगा; पर भूसी को न बुझने वाली आग में जला देगा। मत्ती 3:1-12.

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला प्रकाशितवाक्य अध्याय ग्यारह के साढ़े तीन दिनों की “मरुभूमि” में आया, क्योंकि सभी भविष्यद्वक्ता जिन दिनों में वे स्वयं रहते थे उनकी अपेक्षा अंतिम दिनों के विषय में अधिक बोलते हैं। उसने पाप से मन फिराने का संदेश दिया, क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट था; ठीक जैसे यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य तब प्रकट होता है जब “समय निकट” होता है। यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला “आवाज़” के कार्य को स्पष्ट करता है, क्योंकि यीशु के अनुसार वह आनेवाला एलिय्याह भी था।

क्योंकि सभी भविष्यद्वक्ताओं और व्यवस्था ने जॉन तक भविष्यवाणी की। और यदि तुम इसे स्वीकार करना चाहो, तो यह एलियास है, जो आने वाला था। जिसके पास सुनने के कान हों, वह सुने। मैथ्यू 11:13-15.

यीशु यह बताते हैं कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले की भविष्यद्वक्ता के रूप में पहचान एक परीक्षा थी। वह सीधे कहते हैं, “यदि तुम इसे स्वीकार करना चाहो।” फिर यीशु अपने चेलों को इसे स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहते हैं, “जिसके सुनने के कान हों, वह सुन ले।” वह क्या सुने? वह यह सुने कि वह आवाज़ कौन है जो बाइबल में वर्णित अंतिम जंगल में आती है, और वाचा के दूत के लिए मार्ग तैयार करती है, ताकि वह परमेश्वर के संकेतकारी न्यायों के समय के दौरान विशेष कार्य करने हेतु एक लाख चवालीस हजार को तैयार करे।

यूहन्ना ने “ऊँट के बाल का वस्त्र पहना था, और अपनी कमर में चमड़े का कमरबंध बाँधा था; और उसका भोजन टिड्डियाँ और वन-शहद था।” उसका “भोजन” इस्लाम का संदेश था, क्योंकि “टिड्डियाँ” शब्द इस्लाम का प्रतिनिधित्व करता है, और शहद परमेश्वर का वचन है, जो उसके मुँह में मीठा था। जो मीठा संदेश उसने खाया था वह “जंगली” अरबी गंधे के विषय में था, जो धर्मग्रंथों में इस्लाम का सबसे पहला प्रतीक है। इस्लाम के उस जंगली अरबी गंधे का मीठा संदेश, जिसका प्रतिनिधित्व “टिड्डियाँ” भी करती हैं, उसके वस्त्र में भी बुना हुआ था, क्योंकि ऊँट भी इस्लाम का एक अन्य प्रतीक है। “टिड्डियाँ” शब्द को इस्लाम के प्रतीक के रूप में प्रयोग करना शब्द का तोड़-मरोड़ नहीं है, चाहे यूहन्ना का भोजन कीड़ों का नहीं, बल्कि लोकस्ट वृक्ष का संदर्भ ही क्यों न रहा हो। “टिड्डियाँ” शब्द इस्लाम का एक प्रतीक है, और यूहन्ना किसी भौतिक भोजन के खाने का निरूपण नहीं कर रहे थे; उसका आहार उस भविष्यसूचक संदेश का प्रतीक था जिसे उसने खाया था।

उसका कमरबंद हबक्कूक में प्रस्तुत की गई 'भविष्यवाणी' था। वह भविष्यवाणी पहली निराशा, कुमारियों के प्रतीक्षा काल, और पवित्र चार्टों पर दर्शाई गई एडवेंटवाद की नींवों को एक साथ समेटती है। हबक्कूक वह भविष्यसूचक कमरबंद था जिसने उन सब सत्यों को एक साथ बाँध दिया।

क्योंकि यह दर्शन अभी ठहराए हुए समय के लिए है; परन्तु अन्त में वह सच सिद्ध होगा, और झूठा न निकलेगा। यद्यपि वह विलम्ब करे, फिर भी उसकी प्रतीक्षा करना; क्योंकि वह निश्चय आएगा, वह देर न करेगा। देखो, जिसका मन घमण्ड से फूला हुआ है, वह उसके भीतर सीधा नहीं है; परन्तु धर्मी अपने विश्वास से जीवित रहेगा। हबक्कुक 2:3, 4.

वह भविष्यसूचक संदेश, जिसने "आवाज़" की चेतावनी बनाने वाले संदेशों को कमरबंद की तरह एक साथ बाँध दिया, कुँवारियों का दृष्टांत है—उस दर्शन के संबंध में जो विलंबित था, पर बोलेगा। "आधी रात की पुकार" का दर्शन निकृष्ट और अनमोल के बीच भेद उत्पन्न करता है—उन निकृष्टों के, जिनकी "आत्मा फूली हुई है", और उन अनमोलों के, जो विश्वास से धर्मी ठहराए जाते हैं। विश्वास द्वारा धर्मी ठहराया जाना वही कमरबंद है जिसे "आवाज़" धारण करती है।

और धर्म उसकी कटि का कमरबंद होगा, और विश्वासयोग्यता उसके कटीप्रदेश का कमरबंद होगा। यशायाह 11:5.

जब 18 जुलाई, 2020 की निराशा के बाद उस निराशा की "जंगल में पुकारने वाली आवाज़" आ गई, तो उसका संदेश वही था जो 11 सितंबर, 2001 से रहा था। आने वाले एलियाह का प्रतीक्षारत, निराश, मृत, सूखी हड्डियों के लिए संदेश यह है कि इस्लाम वे "संकेतकारी न्याय" हैं, जो बाबेल में परमेश्वर के अन्य बच्चों को धर्म सीखने के लिए पृष्ठभूमि प्रदान करते हैं।

धर्मियों का मार्ग सीधाई है; हे अत्यन्त सीधा-सच्चे, तू धर्मियों के पथ को तौलता है। हाँ, हे प्रभु, तेरे न्यायों के मार्ग में हमने तेरी प्रतीक्षा की है; हमारी आत्मा की अभिलाषा तेरे नाम की ओर है, और तेरे स्मरण की ओर। रात में मेरी आत्मा ने तुझे चाहा है; हाँ, मेरे भीतर की आत्मा से मैं तुझे प्रातःकाल खोजूँगा; क्योंकि जब तेरे न्याय पृथ्वी पर होते हैं, तब संसार के निवासी धर्म सीखेंगे। यशायाह 26:7-9.

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला, जो आनेवाला एलियाह था, प्रकाशितवाक्य के अध्याय ग्यारह में साढ़े तीन दिनों की 'मरुभूमि' में वह 'आवाज़' है। उसका काम एडवेंटवाद की चौथी और अंतिम पीढ़ी की पहचान करना भी है, जिनकी आत्माएँ घमंड से फूल गई हैं और जो अपने पितरों की आध्यात्मिक विरासत पर भरोसा कर रहे हैं, पर उन्हें आभास है कि परमेश्वर का क्रोध आने ही वाला है। वे चौथी पीढ़ी हैं, क्योंकि वे पूरी तरह ऐसी पीढ़ी के रूप में प्रकट हो चुके हैं जो मसीह की ठीक विपरीत है। वे साँपों की संतान हैं, फिर भी वे यह साबित करने को अपने पिता इब्राहीम का हवाला देते हैं कि वे वास्तव में मेम्ने की पीढ़ी हैं। मेम्ने की पीढ़ी पतरस की चुनी हुई पीढ़ी है; वे वही लोग हैं जो मेम्ने का जहाँ कहीं भी वह जाता है, अनुसरण करते हैं।

यूहन्ना ने स्पष्ट रूप से उन लोगों के पापों को उजागर किया जो उसका संदेश सुनने आए थे, क्योंकि वे पश्चाताप करके बपतिस्मा ले लेते थे। उसने उन्हें यह भी बताया कि उसके बाद एक आने वाला है, जो अपने खलिहान को पूरी तरह साफ करेगा। वह व्यक्ति वाचा का दूत है, वह "धूल झाड़ने वाला व्यक्ति" है जो नकली सिक्कों और रत्नों को खिड़की से बाहर झाड़ देता है और मूल रत्नों को पुनःस्थापित करता है, जो तब उन रत्नों से भी दस गुना अधिक चमकते हैं, जितने वे तब चमकते थे जब पहले स्वर्गदूत के आंदोलन में मूल रत्नों को एकत्र करने के कार्य में विलियम मिलर को स्वर्गदूतों द्वारा निर्देशित किया गया था।

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला लाओदिकिया के एडवेंटिस्टों के अपने पिता अब्राहम पर भरोसे की फटकार में बिल्कुल सीधे थे, क्योंकि आने वाले एलियाह का कार्य पिताओं के हृदयों को बच्चों की ओर और बच्चों के हृदयों को पिताओं की ओर फेरना था। पहले और अंतिम से संबंधित बाइबिलीय अनुप्रयोग का सिद्धांत उस कार्य में प्रकट है; और उसी में उन लोगों के लिए उपचार भी है जो अपने को तितर-बितर अवस्था में, शत्रुओं की भूमि में, जंगल में मरे हुए पाते हैं। उन्हें अपने पापों और अपने पितरों के पापों को पहचानकर पश्चाताप करना होगा। अपने पापों और पितरों के पापों को पहचानने के साथ-साथ, उन्हें यह भी मानना होगा कि साढ़े तीन दिनों के वनवास के काल में वे प्रभु के साथ नहीं चल रहे थे। और यह भी स्वीकार करना होगा कि उस इतिहास के दौरान परमेश्वर उनके साथ नहीं चल रहा था।

और तुम में से जो बचे रहेंगे, वे तुम्हारे शत्रुओं के देशों में अपनी अधर्मता के कारण गलते रहेंगे; और अपने पितरों की अधर्मताओं के कारण भी वे उनके साथ गलते रहेंगे। यदि वे अपने अधर्म और अपने पितरों के अधर्म को, और वह अपराध जिसे उन्होंने मेरे विरुद्ध किया, स्वीकार करें, और यह भी कि वे मेरे विरोध में चलते रहे हैं; और यह कि मैं भी उनके विरोध में चला हूँ और उन्हें उनके शत्रुओं के देश में ले आया हूँ; तब यदि उनके अखतना किए हुए हृदय नम्र हो जाएँ, और वे अपने अधर्म के दण्ड को स्वीकार करें; तब मैं याकूब के साथ की हुई अपनी वाचा को स्मरण करूँगा, और इसहाक के साथ की हुई अपनी वाचा को भी, और अब्राहम के साथ की हुई अपनी वाचा को भी स्मरण करूँगा; और मैं देश को स्मरण करूँगा। लैव्यव्यवस्था 26:39-42.

यह शाप इस कारण था कि उन्होंने भूमि के विश्राम-दिनों को स्मरण नहीं किया।

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला, जो आने वाला एलिय्याह था, प्रकाशितवाक्य 11 के साढ़े तीन दिनों की मरुभूमि में गूंजने वाली "आवाज़" का प्रतीक था। वह सूखी हड्डियों को यह कहेगा कि वे होरेब पर मूसा की व्यवस्था को "स्मरण" करें; और यदि वे ऐसा करते, तो वाचा का दूत उनके पितरों की वाचा को "स्मरण" करता। परन्तु केवल तब, जब वे अपने पापों को, अपने पितरों के पापों को अंगीकार करते, और और भी दीन होकर, उन्हें यह विशेष रूप से बताना था कि उन्होंने परमेश्वर के विरुद्ध किस-किस बात में "उल्लंघन किया" था।

उन्हें यह भी स्वीकार करना होगा कि वे परमेश्वर के 'विरोध में' चलते रहे थे, और यह कि परमेश्वर उनके 'विरोध में' चलता रहा था।

उन्हें यह भी पहचानना था कि वे ही प्रकाशितवाक्य ग्यारह की सड़क पर पड़ी मृत, सूखी हड्डियाँ थे, क्योंकि उन्हें यह स्वीकार करना था कि परमेश्वर उन्हें शत्रु के देश में ले आया था, और शत्रु का देश मृत्यु है।

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के अनुसार, उन्हें इस प्रश्न का भी उत्तर देना होगा कि "मरुभूमि" में पुकारने वाली वह "आवाज़" कौन है, क्योंकि यूहन्ना ने पूछा, "आने वाले क्रोध से बचने के लिए तुम्हें किसने चेताया?"

हम इन विषयों को अगले लेख में जारी रखेंगे।

परमेश्वर के सेवक को यह आज्ञा दी गई है: 'जोर से पुकार, मत रुक; अपनी आवाज़ तुरही की तरह ऊँची कर, और मेरे लोगों को उनके अपराध, और याकूब के घराने को उनके पाप बता।' प्रभु इन लोगों के विषय में कहता है: 'वे प्रतिदिन मुझे ढूँढते हैं, और मेरे मार्गों को जानने में प्रसन्न रहते हैं, मानो कोई राष्ट्र जिसने धर्म का पालन किया हो।' यहाँ ऐसे लोग हैं जो स्वयं-धोखे में पड़े, आत्म-धर्म और आत्म-संतुष्ट हैं, और सेवक को आज्ञा दी गई है कि वह ऊँचे स्वर से पुकारे और उन्हें उनके अपराध दिखाए। सब युगों में यह कार्य परमेश्वर के लोगों के लिए किया गया है, और अब इसकी आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। टेस्टिमोनीज़, खंड 5, 299.